MARJ-06

December - Examination 2025
M.A. (Final) Examination
RAJASTHANI
प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी गद्य
Paper : MARJ-06

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **80***]

निर्देश :– औ प्रश्न–पत्र तीन खण्डां 'अ', 'ब' अर 'स' में बंट्योड़ौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में मोटा सवाल दियोड़ा है।

खण्ड–'अ' **8×2=16**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश :– इण खण्ड रा सगळा सवालां रा पड़ूत्तर देवणा जरूरी है। आपरै पड़ूत्तर री सींव अधिकतम **30** सबद है।

1. (i) किण विदेसी विद्वान पैलपोत राजस्थानी भासा री बोलियां रौ वरगीकरण कर्‌यौ?

   (ii) जैन गद्य सैली ''बालावबोध'' सूं आप कांई अरथान करौ?

   (iii) किणी दो चावी प्रेमप्रधान बातां रा नांव लिखौ?

   (iv) ''दयालदास री ख्यात'' में किण रियासत रै इतियास रौ वरणन मिलै?

   (v) कुंवरसी सांखळा री पत्नी रौ नांव कांई हो?

   (vi) ''मारवाड़ रा परगना री विगत'' रा रचनाकार रौ नांव लिखौ।

   (vii) अचळदास खींची री वचनिका'' रा रचनाकार रौ नांव लिखौ।

   (viii) ''दस्तूर बही'' मांय किणरौ विवरौ मिलै।

खण्ड–'ब' **4×8=32**

(छोटा सवाल)

निर्देश :– इण खण्ड में सूं **किणी चार** सवालां रा पड़ूत्तर **200** सबदां री सींव मांय देवणा है।

2. प्राचीन राजस्थानी गद्य रै उद्‌भव बाबत जाणकारी करावौ।
3. ''दवावैत'' रचनावां सूं जुड़यौड़ी जाणकारी प्रस्तुत करौ।
4. ''उदैभांण चांपावत री ख्यात'' में वरणित इतियास रौ सार आपरै सबदां मांय प्रस्तुत करौ।
5. ''कुंवरसी सांखळौ'' रचना रौ कथासार प्रस्तुत करौ।
6. मुंहता नैणसी रै व्यक्तित्व रौ परिचै देवौ।

7. ''वचनिका'' अर ''दवावैत'' मांय अंतर स्पस्ट करौ।

8. सप्रसंग व्याख्या करौ –

''लोक तणे हाथि वीणा वस्त्राडंबर झीणा, घवळ श्रंगार सार, मुक्ताफळ तणाहार, सर्वांग–सुंदर, वन मौहि रमई भोग पुरंदर, अेकि गीत गवारइं, अेकि दान दिवारइं, विचित्र वादिन वाजइं, रमळितणा रंग छागई, एकि वादिईं, फूल चूटईं, वृक्षतणा पल्लव खुंटईं, हीडोळइं, हींचइं, झीलतां वादिइं जळिइं सींचइं, केळिहरां कउतिग जोयइं, प्रीतमंत होयइं।''

9. सप्रसंग व्याख्या करौ –

''महाराजा रायसिंघ बडा भागवान। पतिसाही बडा उमराव वडो मुनसब। घणा परगना हुवा। बडा दातार। बीकानेर नवो कोट करायो। घणा परगना आण फिरी। बारहट सांकरजी नूं सवाकोड़ दीया। चीतौडद्य परणीया, चौरासी चवरी एक सांवठी राणे कीधी, तठै घणों दान दीयो। घणा हाथी दीया सु घणा रूपक छै।''

खण्ड–'स' **2×16=32**

(मोटा सवाल)

निर्देश :– इण खण्ड में सूं **किणी दो** सवालां रा पडूत्तर **500** सबदां री सींव मांय देवणा है।

10. राजस्थानी वात साहित्य रौ वरगीकरण करता थकां इण साहित्य रै महत्त्व नै उजागर करौ।

11. ''कुंवरसी सांखळौ'' रचना री सिल्पगत दीठ सूं विवेचना करौ।

12. ''पृथ्वीराज चरित्र'' रचना रौ कथासार प्रस्तुत करता थकां इणरी समीक्षा करौ।

13. राजस्थानी बही साहित्य रौ वरगीकरण करता थकां इणारौ विस्तार सूं वरणन करौ।